जालंधर, शनिवार 20 अप्रैल 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH

+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार
जिसका उदय होना निश्चित है उसके लिए प्रकृति भी रास्ता बना देती है।

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

लोकसभा चुनाव का पहला चरण

बंगाल और त्रिपुरा में सबसे ज्यादा तो बिहार में सबसे कम वोटिंग, 5 बजे तक पड़े 60 प्रतिशत वोट

जालंधर (हर्ष शर्मा) : मतदान सुबह सात बजे आरंभ हुआ और शाम छह बजे तक जारी रहा. निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि शाम 5 बजे तक पश्चिम बंगाल में 77.57 प्रतिशत मतदान हुआ और मेघालय में 69 प्रतिशत मतदान हुआ, वहीं पूर्वी नगालैंड के छह जिलों में सन्नाटा पसरा रहा जहां अलग राज्य की मांग को लेकर आदिवासी संगठनों के एक संघ द्वारा अनिश्चितकालीन बंद के आह्वान के कारण लोग घरों में ही रहे.

शाम 5 बजे तक के मतदान के आंकड़ों के आधार पर सबसे ज्यादा मतदाताओं ने पश्चिम बंगाल में मतदान किया है. इस मामले में बिहार सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों से पिछड़ गया है. पश्चिम बंगाल में शाम 5 बजे तक सबसे अधिक 77.57 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला. वहीं, बिहार में सबसे कम सिर्फ 46.32 प्रतिशत मतदाताओं ने ही शाम 5 बजे तक वोट डाला है. लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत शुक्रवार की शाम तमिलनाडु की सभी 39 सीट के लिए मतदान संपन्न हो गया। वैकल्पिक आंकड़ों के मुताबिक 63.20 प्रतिशत मतदाताओं ने इस दौरान अपने मताधिकार का प्रयोग किया. निर्वाचन अधिकारियों ने शाम पांच बजे तक प्राप्त आंकड़ों के आधार पर बताया कि धर्मपुरी लोकसभा सीट पर सबसे अधिक 67.52 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि दक्षिण चेन्नई सीट पर सबसे कम 57.04 प्रतिशत मतदान हुआ.

पश्चिम बंगाल में कूचबिहार सीट पर हिंसा के कारण मतदान प्रभावित हुआ। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के सूत्रों ने बताया कि दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मतदान के पहले कुछ घंटों में चुनावी हिंसा, मतदाताओं को धमकाने और चुनाव एजेंटों पर हमलों संबंधी क्रमश- 80 तथा 39 शिकायतें दर्ज करायी हैं.

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट पर तीन बजे तक 58.14 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया. राज्य के बीजापुर जिले में नक्सलियों द्वारा लगाए गए एक आईईडी में विस्फोट होने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का जवान घायल हो गया.

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए तीन बजे तक 45.4 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. अधिकारियों ने बताया कि ईवीएम संबंधी कुछ छोटी-मोटी गड़बड़ियां थीं लेकिन उन्हें तुरंत ठीक कर लिया गया. अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में पहली बार शोंपेन जनजाति के सात सदस्यों ने केंद्र शासित प्रदेश की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया.

असम में भी लखीमपुर के बिहूपुरिया में तीन मतदान केंद्रों, होजेई, कालियाबोर और बोकाखाट में एक-एक मतदान केंद्र और डिब्रूगढ़ के नहारकटिया में एक मतदान केंद्र में ईवीएम में गड़बड़ी दर्ज की गयी. बाद में इन खामियों को दूर कर दिया गया. राज्य में अपराह्न तीन बजे तक 60.70 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया.

पहले चरण में जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सभी लोकसभा सीटों पर मतदान संपन्न हो गया उनमें तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) शामिल हैं. राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर तथा छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर शुक्रवार को वोट डाले गए.

बिहार की चार लोकसभा सीटों पर 75 लाख मतदाताओं में से करीब 46.32 प्रतिशत ने शाम 5 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया. जम्मू-कश्मीर के उधमपुर संसदीय क्षेत्र में मूसलाधार बारिश होने के बावजूद मतदान के पहले छह घंटों में 43.11 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया.

सिरफिरे आशिक ने कॉलेज कैम्पस में कांग्रेस नेता की बेटी की चाकू मारकर की हत्या

जालंधर (जतिन चौहान) : कर्नाटक के हुबली से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। यहा एक सिरफिरे आशिक एक तरफा प्यार में लड़की की हत्या कर दी है। ये वारदात दिन दहाड़े कॉलेज कैम्पस में हुई है। यह भयावह घटना कैमरे में कैद हो गई और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

युवक बेरहमी से युवती पर लगातार चाकू से वार कर रहा है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने युवती को प्रेम प्रस्ताव दिया था, जिसे उसने अस्वीकार कर दिया था। इससे आरोपी फैयाज नाराज हो गया। उसने दिन दहाड़े कॉलेज कैम्पस के अंदर ही युवती की गर्दन पर चाकू मारकर हत्या कर दी।इस हत्याकांड को अंजाम देकर वो फरार हो गया। बेंगलुरु हवाई अड्डे पर वीडियो रिकॉर्ड करने और झूठा दावा करने के आरोप में एक यूट्यूबर गिरफ्तार।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक छात्रा का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इसके बाद वारदात को अंजाम देकर फरार हुए आरोपी को पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस ने बताया कि आरोपी कई दिनों से लड़की का पीछा कर रहा था उसे परेशान कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, हुबली की रहने वाली नेहा हिरमत कांग्रेस कॉरपोरेटर निरंजन हिरमत की बेटी थी। नेहा स्थानीय बीवीबी कॉलेज में MCA की छात्रा थी।उसी कॉलेज में बेलगावी जिले के सावदत्ती का रहने वाला फैयाज भी पढ़ता है। वो कई दिनों से नेहा को परेशान कर रहा था।

13 साल की नाबालिगा से दुष्कर्म

4 महीने में कई बार आरोपी ने बनाया शिकार

जालंधर(सूरभि शर्मा) : शहर में एक 13 साल की नाबालिगा के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है।बताया जा रहा है कि शहर में पड़ते इलाका संत नगर रोड में एक 13 साल की लड़की को एक व्यक्ति द्वारा अपनी हवस का शिकार बनाया गया है। आरोपी नाबालिगा से करीब 4 माह तक दुष्कर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम देता रहा। इस बात का पता परिवार वालों को तब चला, जब लड़की ने पेट में दर्द होने की शिकायत की।इसके बाद वे उसे डाक्टर के पास लेकर गए तो पता चला कि वह गर्भवती है।

पीड़िता के पिता का कहना है कि वह अकसर हर दिन काम पर चला जाता था तो इस दौरान उसकी बेटी घर में अकेली रहती थी। उन्हें इस बात का पता तब चला, जब बच्ची ने पेट में दर्द होने की शिकायत की। जब बच्ची को डाक्टर के पास ले जाया गया गया तो पता चला कि उनकी बेटी गर्भवती है। पीड़ित परिवार मध्य प्रदेश का रहने वाला बताया जा रहा है, जोकि जालंधर के रेलवे क्वार्टरों के पास पिछले काफी समय से रह रहा है। परिवार वालों की शिकायत पर थाना नई बारादरी की पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है तथा आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई जारी है। आरोपी की पहचान चरन दास उर्फ सन्नी बाबा निवासी ब्यास, अमृतसर के रूप में हुई है।

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED ANM 2 Years Diploma GNM 3 Years Diploma B.Sc (Nursing) 4 Years Degree D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma 10+1 & 10+2 PSEB
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में हिंसा के बीच बंपर वोटिंग

क्या है इसके पीछे की कहानी?

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पश्चिम बंगाल के तीन लोकसभा केंद्रों जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और कूचबिहार में छिटपुट हिंसा के बीच मतदान हो रहा है. पश्चिम बंगाल के तीन लोकसभा सीटों के साथ मतदान देश के 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश के 102 लोकसभा सीटों पर हो रहे हैं, लेकिन मतदान के दौरान हिंसा की वारदातें केवल पश्चिम बंगाल में हो रही है.

सिलीगुड़ी के पास जलपाईगुड़ी लोकसभा में डाबग्राम-फुलबारी विधानसभा क्षेत्र के वलहवासा चौराहे पर भाजपा बूथ कार्यालय संख्या 86 को कथित तौर पर जलाने का आरोप लगा है. इसी तरह से कूचबिहार के देवचराई में तृणमूल बीजेपी के बीच झड़प की घटना घटी है, लेकिन हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा मतदान हुआ है. दोपहर एक बजे तक जहां देश के अन्य राज्यों में मतदान का प्रतिशत 35 फीसदी था, वहीं, पश्चिम बंगाल में 41 डिग्री तापमान में भी मतदान का प्रतिशत का आंकड़ा 50 फीसदी पार कर गया था, जबकि शाम तीन बजे मतदान का प्रतिशत 66.34 फीसदी रहा, जो केवल त्रिपुरा से कम था, जबकि शाम पांच बजे तक पश्चिम बंगाल में 77.57 फीसदी मतदान हुए , जो देश में सर्वाधिक हैं.

दोपहर एक बजे तक मतदान का औसत प्रतिशत 50.96 प्रतिशत रहा. इसमें अलीपुरद्वार में 51.58 प्रतिशत, कूचबिहार में 50.69 प्रतिशत और जलपाईगुड़ी में 50.65 प्रतिशत मतदान का प्रतिशत रहा है. वहीं, शाम पांच बजे कूचबिहार में 77.73 फीसदी, अलीपुरद्वार में 75.54 फीसदी और जलपाईगुड़ी में 79.33 फीसदी मतदान हुए हैं. बता दें कि औसतन पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत ज्यादा होना और चुनाव के दौरान हिंसा होना सामान्य बात है, लेकिन इस चुनाव में भी मतदान का ग्राफ हाई दिख रहा है.

हिंसा से बीजेपी के कार्यकर्ता ज्यादा प्रभावित : राजनीतिक विश्लेषक पार्थ मुखोपाध्याय बताते हैं कि यह सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के प्रति असंतोष को दर्शा रहा है. बंगाल के जिन तीन लोकसभा सीटों अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में मतदान हो रहे हैं. वे उत्तर बंगाल में हैं और उत्तर बंगाल में पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था. हालांकि पंचायत चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन खास नहीं था, लेकिन विधानसभा चुनाव में अलीपुरद्वार की सात विधानसभा सीटों में से छह पर बीजेपी ने जीत हासिल की थी. केवल एक सीट पर टीएमसी का कब्जा हुआ है. उन्होंने कहा कि वोट प्रतिशत साफ बता रहा है कि बीजेपी मतदाताओं को एकजुट करने में सफल रही है. मतदान के दौरान हुई हिंसा से सबसे प्रभावित बीजेपी के कार्यकर्ता हुए हैं. तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता हिंसा में जो घायल हुए हैं, वे चुनाव पूर्व हिंसा में घायल हुए हैं. मतदान के दौरान कई टीएमसी कैंप खाली दिखाई दे रहे हैं, जिनसे मतदाताओं को स्लिप दिया जाता है. कई लोगों को मानना है कि यह ममता बनर्जी और टीएमसी के प्रति असंतोष को दर्शाता है.

वोटर्स राजनीतिक रूप से सजग

दूसरी ओर, बंगाल के लोग राजनीतिक रूप से काफी सजग होते हैं और वे चुनाव को एक त्यौहार के रूप में देखते हैं और खुलकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं. इसके पहले भी 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक मतदान 81.7 फीसदी हुआ था. उसके बाद मतदान का प्रतिशत असम में 81.6 फीसदी और आंध्र प्रदेश में 80.3 फीसदी थी. पिछले छह लोकसभा चुनावों में बंगाल में मतदान का प्रदर्शन अधिक रहा है. मतदान प्रतिशत में वृद्धि गई है. 1998 के लोकसभा चुनाव में, पश्चिम बंगाल में 79.2 प्रतिशत मतदान रहा है

इसका मुख्य कारण यह है कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक चेतना और राजनीतिक आकांक्षाओं का स्तर अन्य भारतीय राज्यों की तुलना में अधिक है, जो इन विशेष राज्यों में अधिक मतदान का कारण हो सकता है. इन क्षेत्रों में समुदायों की जरूरतों को संबोधित करने में राजनीतिक शक्ति की केंद्रीय भूमिका के कारण ग्रामीण भारत में वोट शेयर अधिक होते हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक मतदान का एक अन्य कारण यह है कि ग्रामीण मतदाता सामूहिक मतदान निर्णय लेते हैं, जबकि शहरी मतदाता अधिक व्यक्तिवादी होते हैं. जब किसी समूह द्वारा मतदान का निर्णय लिया जाता है, तो समूह के सभी सदस्यों पर मतदान द्वारा इसे लागू करने का नैतिक दबाव होता है.

क्या ममता बनर्जी के खिलाफ है असंतोष?

शुक्रवार को ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में सभा की. इस सभा के माध्यम से सीएम ममता बनर्जी ने अल्पसंख्यकों को लुभाने की कोशिश की है. ममता बनर्जी ने साफ कहा कि यदि सीएए लागू होता है, तो अल्पसंख्यक विदेशी हो जाएंगे. वह किसी भी कीमत पर राज्य में एनआरसी लागू होने नहीं देगी. लेकिन बंगाल के जिन तीन लोकसभा सीटों पर मतदान हो रहे हैं.

उनमें अल्पसंख्यकों का प्रतिशत बहुत ही कम है और इन इलाकों में आदिवासी और जनजाति समुदाय का बाहुल्य है. इन समुदाय पर बीजेपी की पकड़ मानी जाती है. इन इलाकों में चाय बगानों की संख्या बहुत ही अधिक है और वे बंद हैं. आवास योजना के पैसे लोगों के पास नहीं पहुंचे हैं.

100 दिनों के काम के पैसे में धांधली हुई है. देश के दूसरे राज्यों में जो श्रमिक जाते हैं. उनमें उत्तर बंगाल के श्रमिक सबसे अधिक हैं. ऐसे में ममता बनर्जी के प्रति असंतोष है. ऐसे में पश्चिम बंगाल में मतदान का आंकड़ा 80 फीसदी पार कर जाए, तो इसमें आश्चर्य नहीं होगा.

इजरायल ने ईरान पर दागी मिसाइलें, कई फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं, अमेरिकी सरकार ने किया हमले का दावा

जालंधर (हिमांशु) : इजरायल और ईरान के बीच जंग शुरू हो चुकी है। शुक्रवार सुबह इजरायल की ओर से ईरान पर मिसाइलें दागी जाने की खबरें सामने आई हैं। अमेरिकी सरकार ने इस हमले का दावा किया है।

हालांकि अमेरिका इस बात को लेकर कन्फर्म नहीं है कि इस हमले में ईराक और सीरिया भी प्रभावित हुआ है। ऐसे में देश के पूर्वी हिस्सो से होकर जाने वाली फ्लाइटें की उड़ानें डायवर्ट कर दी गई हैं। जबकि फिलहाल ईरान की ओर से अभी तक हमले की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान के इश्फहान शहर में सुनी गई धमाकों की आवाज : ईरान के कुछ टीवी चैनलों पर यह खबर सुनने को मिली की ईरान के इश्फहान शहर में शुक्रवार की सुबह बम धमाकों की आवाज सुनने को मिली है। कुछ लोकल चैनल्स ने भी पुष्टि की है कि सुबह शहर में धमाकों की आवाजें सुनाई दी हैं। ऐसे में ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष बढ़ता नजर आ रहा है। दोनों ही देश एक दूसरे के हमले की कार्रवाई का जवाब दे रहे हैं जिससे यह धीरे-धीरे बड़ी जंग की ओर बढ़ रही है।

लोगों से पूर्व दिशा की ओर सफर न करने की सलाह

ईरान की सरकार ने लोगों से पूर्व की दिशा की सफर न करने की सलाह दी है। सभी फ्लाइटों को भी पूर्व हिस्सों से से गुजारने के बजाय डायवर्ट कर दूसरे हवाई क्षेत्र से गुजारने के लिए कहा गया है। ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमले के बाद से इजरायल का गुस्सा फूटा है। सूत्रों का मानना है कि इन हमलों से इजरायल अब ईरान से सीधी लड़ाई लड़ने की तरफ बढ़ रहा है। यदि ऐसा हुआ तो भारी तबाही होगी और जानमाल का भी नुकसान होने की संभावना है।

रूपनगर में दो मंजिला मकान का लैंटर गिरने से नीचे दबे पांच मजदूर; बचाव कार्य जारी

जालंधर (जतिन चौहान) : पंजाब के रूपनगर की प्रीत कॉलोनी में दो मंजिला मकान का लैंटर अचानक ढह जाने से पांच मजदूर दब गए। जिला अधिकारी और अग्निशमन विभाग के अधिकारी बचाव कार्य के लिए मौके पर मौजूद हैं। राहत कार्य के लिए ITBP पुलिस, NDRF और SDRF की टीमों को बुलाया गया है। रूपनगर की डीसी प्रीति यादव का कहना है, हमें जानकारी मिली है कि लैंटर के नीचे 5 मजदूर दबे हुए हैं।

प्रीति यादव ने कहा, 'लोगों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है और इसलिए तकनीकी विशेषज्ञ काम पर हैं। घटना के बारे में उचित जांच की जाएगी। हम एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी टीमों को उनकी जरूरत के सभी उपकरण उपलब्ध करा रहे हैं... हमने पड़ोसियों को खाली कर दिया है और उनसे कहा है कि वे घबराएं नहीं और बचाव कार्य में हमारा सहयोग करें।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

राम मंदिर को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे का दलित कार्ड क्या कांग्रेस का भी स्टैंड है?

जालंधर(सूरभि शर्मा): राम मंदिर के मुद्दे पर कांग्रेस के स्टैंड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने खारिज किया है – और अयोध्या समारोह के बहाने देश भर में दलितों के साथ होने वाले भेदभाव को भी राम मंदिर से भी जोड़ दिया है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक मजबूरियों की वजह से राम मंदिर उद्घाटन समारोह में शामिल नहीं हुई. मोदी ने जिन राजनीतिक मजबूरियों की बात की है, वो कांग्रेस पर बीजेपी की तरफ से लगाये जाने वाले मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों से जुड़ा हुआ है. मोदी और बाकी बीजेपी नेता कांग्रेस नेताओं पर राम मंदिर निर्माण में बाधा पहुंचाने का भी आरोप लगाते रहे हैं.

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दलितों और आदिवासियों के अपपान का आरोप लगाया था. अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन समारोह 22 जनवरी को हुआ था, और उससे पहले ही राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकल गये थे.

मणिपुर से मुंबई तक की न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी जब उत्तर प्रदेश पहुंचे तो कहा कि राम मंदिर उद्घाटन समारोह में गौतम अडाणी, मुकेश अंबानी और अमिताभ बच्चन को बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी ने ये संदेश दिया है कि देश की बड़ी आबादी की कोई अहमियत नहीं है.

एक बार फिर कांग्रेस की तरफ से दलितों के मुद्दे पर बीजेपी को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई है. राहुल गांधी की ही तरह मल्लिकार्जुन खरगे ने भी दलितों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया है, और राम मंदिर उद्घाटन समारोह की भी मिसाल दी है.

मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र में सत्ताधारी बीजेपी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अपमानित करने का भी आरोप लगाया है. कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप है कि दोनों को इसलिए अपमानित किया गया क्योंकि वे आदिवासी और दलित समुदाय से आते हैं. मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया, और वैसे ही पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भी संसद भवन का शिलान्यास नहीं करने दिया गया. अयोध्या समारोह का पूरे इंडिया गठबंधन ने बहिष्कार किया था, हालांकि, सभी दलों के नेताओं ने अपने अपने तरीके से रिएक्ट किया था. सबसे पहले ममता बनर्जी ने अयोध्या समारोह का बहिष्कार किया, और उसके बाद कांग्रेस का बयान आया. पहले तो कांग्रेस ने किसी भी नेता के अयोध्या न जाने की बात कही थी, लेकिन जब कुछ कांग्रेस नेता खुद अयोध्या जाने की बात करने लगे तो राहुल गांधी को सामने आना पड़ा. बाद में राहुल गांधी ने कहा था कि कोई कांग्रेस नेता अयोध्या जाना चाहता है तो वो निजी तौर पर जा सकता है, उस पर कोई पाबंदी नहीं है.

अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अयोध्या समारोह से दूरी बनाने की खास वजह खुद का दलित होना बताया है – ये निजी वजह है, या कांग्रेस का भी राम मंदिर को लेकर बिलकुल यही स्टैंड है?

क्या वाकई खरगे को बीजेपी बर्दाश्त नहीं कर पाती?

दलितों के साथ भेदभाव का मामला उठाते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने जो बात कही है, वो बहुत बड़ा सवाल है –

अगर मैं अयोध्या जाता तो क्या उन्हें बर्दाश्त होता?

अयोध्या समारोह के लिए मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को भी न्योता मिला था. न्योता मिलने की बात कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कंफर्म भी की थी, और पहली प्रतिक्रिया में यही कहा था कि सही वक्त पर पार्टी का फैसला बताया जाएगा.

अब दलित कार्ड पेश करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राम मंदिर उद्घाटन समारोह के बहाने देश भर में दलितों के साथ होने वाले भेदभाव की तरफ ध्यान दिलाने की कोशिश की है.

इंडियन एक्सप्रेस के कार्यक्रम आइडिया एक्सचेंज में मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मेरे लोगों को आज भी सभी मंदिरों में जाने की अनुमति नहीं है... राम मंदिर छोड़िये... आप कहीं भी जाइये... गांव के छोटे-छोटे मंदिरों में भी जाने की अनुमति नहीं है.

मंदिरों के साथ साथ मल्लिकार्जुन खरगे दलितो के साथ होने वाले भेदभाव के कई उदाहरण पेश करते हैं, आप पानी नहीं पीने देते... एक दूल्हे को भी बर्दाश्त नहीं करते जब वो घोड़े पर बारात लेकर जाता है.

और फिर सवाल उठाते हैं, तो आप मुझसे कैसे उम्मीद कर सकते हैं... मैं जाता तो क्या वे इसे बर्दाश्त करते?

राम मंदिर को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के कांग्रेस पर आरोपों की बात करें तो मल्लिकार्जुन खरगे की प्रतिक्रिया बिलकुल ठीक है. अगर मोदी राजनीतिक तौर पर मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हैं, तो मल्लिकार्जुन खरगे भी उसी भाषा में जवाब दे रहे हैं – और इस मामले में वो राजनीतिक रूप से बिलकुल सही हैं. मल्लिकार्जुन खरगे का बयान राजनीतिक तौर पर बिलकुल दुरूस्त है.

लेकिन क्या वास्तविकता भी यही है?

सवाल है कि क्या न्योता मिलने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे अयोध्या जाते तो वाकई बीजेपी नेता उनको बर्दाश्त नहीं कर पाते?

अगर वास्तव में मल्लिकार्जुन खरगे को ऐसा लगता है, तब तो निश्चित रूप से उनको अयोध्या जाना चाहिये था – और बीजेपी के साथ साथ अयोध्या समारोह से जुड़े लोगों के इरादे का पर्दाफाश करना चाहिये था.

अगर मल्लिकार्जुन खरगे के साथ अयोध्या में दुर्व्यवहार होता तो पूरा देश लाइव देखता – ये तो ऐसा लगता है, जैसे कांग्रेस नेता ने बीजेपी के खिलाफ बहुत बड़ा मौका गंवा दिया है.

हिंदुत्व और राम मंदिर के मुद्दे पर कांग्रेस के स्टैंड में भटकाव क्यों है

अयोध्या और राम मंदिर के मुद्दे पर जितना ढुलमुल रवैया कांग्रेस की तरफ से देखने को मिला है, उतना तो किसी भी नेता के स्टैंड में देखने को नहीं मिला – आखिर कांग्रेस भी वैसा ही स्टैंड क्यों नहीं ले पाती, जैसा ममता बनर्जी और सीताराम येचुरी सहित लेफ्ट नेताओं ने लिया था.

ममता बनर्जी और लेफ्ट नेताओं ने भी राम मंदिर उद्घाटन समारोह को बीजेपी का इवेंट ही बताया था, लेकिन कांग्रेस की तरह उनकी तरफ से बारी बारी और अलग अलग बयानबाजी नहीं हुई.

कांग्रेस की तरह ही अखिलेश यादव भी काफी कन्फ्यूज्ड नजर आये थे, लेकिन अरविंद केजरीवाल जैसे नेता बहुत अच्छा राजनीतिक बयान दिया था. और बाद में पूरे परिवार के साथ वो भगवंत मान के साथ अयोध्या गये भी थे.

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पहले चरण की वोटिंग के प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में प्रेस कांफ्रेंस की थी – संयोग से उस दिन राम नवमी का मौका था, और इसे दोनों नेताओं का प्रयोग भी समझा जा सकता है.

ममता बनर्जी भी रामनवमी के मौके पर पश्चिम बंगाल में छुट्टी दे देती हैं, लेकिन बीजेपी पर दंगे कराने की तोहमत जड़ देती हैं. संयोग से वहां राम नवमी के मौके पर दंगे भी होते हैं – राजनीति ऐसे ही चलती रहती है.

ऐसे में जबकि लोकसभा चुनाव पर साफ साफ राम मंदिर मुद्दे का प्रभाव महसूस किया जा रहा है, कांग्रेस नेता को कुछ भी बोलने से पहले अच्छी तरह सोच समझ लेना चाहिये – और हां, वो बयान राजनीतिक रूप से दुरूस्त होने के साथ साथ आम लोगों को भी समझ में आना चाहिये, ताकि लोग ऐसी बातों पर सहज तौर पर यकीन कर सकें.

पोते की चाह रखने वाली दादी को बर्दाश्त नहीं हुई पोती, गोद में लेकर घोंट दिया गला

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा): मध्य प्रदेश के ग्वालियर में मां की कोख से दिव्यांग बालिका का जन्म लेना गुनाह हो गया। जहां जन्म लेते ही मासूम की उसकी दादी ने गला घोटकर हत्या कर दी। मामला मध्य प्रदेश के ग्वालियर का है।

आरोपी दादी ने पहले मासूम की हत्या को सामान्य मौत दिखाने की कोशिश की लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने मासूम की हत्या का राज फास कर दिया है।वहीं अब आरोपी दादी पुलिस की गिरफ्त में है।

दरअसल मासूम का कसूर इतना था कि वह दिव्यांग पैदा हुई थी साथ ही दादी को बेटे की चाह थी। इसलिए आरोपी दादी ने मासूम की हत्या करने का षड़्यंत्र ही रच डाला।

गौरतलब है कि बहोड़ापुर इलाके में रहने वाली गर्भवती महिला ने 23 मार्च को कमलाराजा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया लेकिन वह जन्म से ही दिव्यांग निकली।

वहीं 27 मार्च की रात महिला की सास अस्पताल में नातिन को साथ लेकर सोई थी। लेकिन सुबह दुधमुंही बच्ची मृत मिली। खबर लगते ही महिला के मायके वाले भी अस्पताल पहुंच गए। पूछताछ में सास ने मासूम की सामान्य होना बताई।

लेकिन मासूम की मां का कहना था कि उसकी बेटी की हत्या की गई है। इसके बाद गुस्से में मायके वालों ने सास की मारपीट भी कर दी थी।

मौके पर पहुंची थाना कंपू थाना पुलिस ने मासूम का पोस्टमार्टम करने की बात कही लेकिन ससुराल वाले पोस्टमार्टम नहीं कराने दे रहे थे।

वहीं मासूम की मां पोस्टमार्टम करने के लिए अड़ गई तो पुलिस ने शव पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया और मर्ग कायम कर लिया था। गुरुवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई तो मासूम की हत्या का राज खुल गया।

मासूम बच्ची की मौत सामान्य नहीं थी, बल्कि गला दबाकर उसकी दादी ने ही हत्या की थी। जिसके बाद हत्या की एफआइआर कंपू थाने में दर्ज की गई है। वहीं मासूम बच्ची का पिता भी अपनी मां के पाप को छिपाने के लिए साथ देने में लगा था। मासूम की हत्या के मामले में आरोपी दादी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब की इस जेल में गैंगस्टरों ने कर दिया 2 क़ैदियों का कत्ल

जालंधर (हिमांशु) : पंजाब के संगरूर की जेल से बड़ी खबर सामने आई है जहां कैदियों में खूनी झड़प हुई है जिसमें दो कैदियों की मौत होने की खबर है। संगरूर जेल में बंद गैंगस्टर का दूसरे कैदियों से विवाद हो गया जिसमें दो कैदियों पर कटर से हमला किया गया जिसमें दो कैदियों की मौत के साथ दो कैदी गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद भारी पुलिस फ़ोर्स तैनात की गई है।

लुधियाना के उद्योगपति नीरज सलूजा पर ईडी की बड़ी कार्रवाई, कंपनी के 81.03 करोड़ के शेयर्स जब्त

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लुधियाना के नामी उद्योगपति नीरज सलूजा पर बड़ी कार्रवाई की। ईडी जालंधर ने वीरवार को बैंक धोखाधड़ी मामले में लुधियाना स्थित कंपनी मेसर्स एसईएल टेक्सटाइल्स लिमिटेड के स्वामित्व वाले 81.03 करोड़ रुपये के शेयर्स के रूप में चल संपत्ति को जब्त किया।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि इनमें 36,92,930 शेयर्स मेसर्स रिदम टेक्सटाइल्स और अपेरल पार्क लिमिटेड और 40,41,000 इक्विटी शेयर्स मेसर्स सिल्वरलाइन कॉरपोरेशन लिमिटेड के नाम पर थे।

ये दोनों कंपनियां आरोपी उद्योगपति नीरज सलूजा की ओर से ही संचालित की जाती हैं। बैंक धोखाधड़ी मामले में नीरज सलूजा अन्य आरोपियों के साथ शामिल है, सलूजा को 18 जनवरी, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। वह अभी न्यायिक हिरासत में है।

ईडी ने इस मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर जांच करते हुए यह कार्रवाई की है। कंपनी मेसर्स एसईएल टेक्सटाइल्स लिमिटेड के डायरेक्टर्स और शेयर्स होल्डर पर बैंक धोखाधड़ी मामले में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से दी शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। करीब 1,530.39 करोड़ रुपये के बैंक लोन की हेराफेरी की गई थी।

आरोपी नीरज सलूजा पर दो साल पहले बैंकों के साथ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद इस मामले की जांच ईडी ने शुरू कर दी थी। सलूजा पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल के खास रहे हैं। ईडी ने फरवरी 2023 में 828 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी।

इसमें लुधियाना, श्री मुक्तसर साहिब, शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर), अलवर और हिसार में भूमि, भवन और मशीनरी शामिल थी। ईडी की अब तक की जांच में पता चला है कि मेसर्स एसईएल टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के ग्रुप से ली गई ऋण राशि का दुरुपयोग किया था। मामले में 14 अगस्त, 2020 को भी सीबीआई ने कंपनियों के डायरेक्टर्स के घरों और दफ्तरों में रेड की थी।

कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए थे। आरोपियों के लुकआउट सर्कुलर भी जारी किए गए थे। जांच के दौरान सीबीआई ने कई लोगों से पूछताछ की थी।

बैंक से लिए ऋण का ऐसे किया दुरुपयोग

सलूजा और कंपनी के अन्य डायरेक्टर्स ने एसईएल के नाम पर जो बैंक लोन लिए थे, उन्हें अलग-अलग जगह फंडिंग किया गया था। इसके बाद में 'एडजस्टमेंट इंट्रीज' दर्ज की गईं। आरोपियों ने कागजों में गैर-प्रतिष्ठित सप्लायर्स से मशीनरी की खरीद दिखाई और अधिक रकम के इंवाइस और बिल दिखाए। पैसों को गैर कानूनी तरीके से अलग-अलग कंपनी में लगाया गया। मेसर्स एसईएल टेक्सटाइल्स के पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में कई जगह प्लांट हैं, जैसे मलोट, नवांशहर, नीमराना (राजस्थान) और हांसी (हिसार) में यूनिट हैं।

कांग्रेस के लिए फिर सिर दर्द बने नवजोत सिंह सिद्धू

लोकसभा चुनाव को लेकर उठाया बड़ा कदम

जालंधर (हर्ष) : पटियाला में गुरुवार को नवजोत सिंह सिद्धू के घर पर बैठक हुई। इस बैठक में नवजोत सिंह सिद्धू और उनके गुट के नेताओं ने फैसला लिया है कि लोकसभा चुनाव में वो ना तो कांग्रेस के प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे और ना ही किसी भी कार्यक्रम में कांग्रेस प्रत्याशी के साथ चलेंगे। इस बैठक में नवजोत सिंह सिद्धू के अलावा पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शमशेर सिंह दुल्लो, पूर्व विधायक नाजर सिंह मानशाहिया, जगदेव सिंह कमालू, महेश इंद्र सिंह और भटिंडा देहाती के कांग्रेस इंचार्ज हरबिंदर लाडी समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

इस बैठक में तय हुआ कि जब पार्टी को जरूरत होती है तो उनको नवजोत सिंह सिद्धू की याद आ जाती है लेकिन चुनाव के बाद में उनको अनदेखा कर दिया जाता है। पार्टी ने जिस समय लोकसभा चुनाव के प्रत्याशी तय किए थे उस दौरान नवजोत सिंह सिद्धू से कोई चर्चा नहीं की गई। लेकिन अब चुनाव प्रचार के लिए उम्मीदवार सिद्धू के साथ संपर्क साध प्रचार के लिए रैलियां करने का निवेदन कर रहे हैं।

सिद्धू पार्टी से नाराज

सिद्धू खेमे का कहना है कि जब नवजोत सिंह सिद्धू पार्टी को मजबूती देने के लिए पूरे पंजाब में रैलियां कर रहे थे, तब सिद्धू की रैलियां आयोजित कराने वाले कई नेताओं को बेवजह पार्टी से निकाल दिया गया।

मीटिंग में तय हुआ है कि सिद्धू गुट का कोई भी नेता पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में तब तक चुनाव प्रचार नहीं करेगा जब तक कांग्रेस आलाकमान नवजोत सिंह सिद्धू से इस पूरे मामले को लेकर चर्चा नहीं करते और पार्टी से निकाले गए सिद्धू गुट के नेताओं को फिर से कांग्रेस में शामिल नहीं किया जाता।

टिकट से कर दिया था इंकार

बता दें, नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी पत्नी की खराब तबियत का हवाला देते हुए पटियाला लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया था और उसके बाद अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए वो IPL से जुड़ गए।

फिलहाल सिद्धू IPL में बतौर कॉमेंटेटर शामिल हैं IPL में शामिल होने के चलते सिद्धू ने राजनीतिक कार्यक्रमों से दूरियां बनाई रखी है नवजोत सिंह सिद्धू की अपने गुट के नेताओं के साथ लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुई इस बैठक से एक बार फिर से पंजाब कांग्रेस में नवजोत सिंह सिद्धू वर्सेज ऑल की स्थिति बन सकती है।

फिलिपींस को ब्रह्मोस की आपूर्ति, चीन को लग सकती है मिर्ची

जालंधर (जतिन चौहान) : भारत-रूस के संयुक्त उपक्रम द्वारा विकसित ब्रह्मोस मिसाइल की फिलिपींस को आपूर्ति के साथ ही वह इस मिसाइल प्रणाली को हासिल करने वाला पहला विदेशी राष्ट्र बन गया है। यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने शुक्रवार को तब हासिल किया जब देश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान हो रहा था। जनवरी 2022 में ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) ने फिलिपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के साथ 37.49 करोड़ डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। इसमें फिलिपींस की नौसेना के लिए तट-आधारित एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति शामिल थी। यह कदम भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति तथा इसके समग्र भारत-प्रशांत विजन में फिलिपींस की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। नई दिल्ली ने इसे जिम्मेदार रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने की भारत सरकार की नीति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया है। फिलिपींस के रक्षा मंत्रालय ने स्वीकार किया कि ब्रह्मोस उनके देश की संप्रभुता और संप्रभु अधिकारों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ प्रतिरोध प्रदान करेगा, खासकर पश्चिमी फिलिपीन सागर में। वैसे भारत के इस कदम से चीन को मिर्ची लग सकती है।

दरअसल साउथ चाइना सी में फिलीपींस का स्पार्कली आइलैंड्स को लेकर विवाद चलता रहता है। चीन के चाइना छोटे आइलैंड वाले देशों को धमकाया जाता है, क्योंकि यह देश सैन्य रूप से इतने मजबूत नहीं है। इंडिया की तरफ से भी यह पहली बार होगा जब चाइना के दुश्मनों को कोई हथियार बेचा गया हो। फिलिपींस राष्ट्रपति पहले ही कह चुका है कि हम पीछे नहीं हटने वाले हैं और हम अपनी सेना का आधुनिकीकरण करने जा रहे हैं। चीन की आक्रामकता को रोकने के लिए एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है और फिलीपींस जैसे देशों को हथियारों की दौड़ में चीन प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रेरित कर रहा है। प्रारंभ में, फिलिपींस को तीन बैटरियों की आपूर्ति की जाएगी, जिसमें छह लॉन्चर और मिसाइलें शामिल हैं। अनुबंध में ऑपरेटरों और देखरेख करने वालों के लिए प्रशिक्षण के साथ-साथ आवश्यक एकीकृत लॉजिस्टिक्स सपोर्ट (आईएलएस) पैकेज भी शामिल है।